वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 311 | शनिवार 9 मार्च 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित हुआ सदाकाल गुजरात कार्यक्रम

गुजरात और राजस्थान के बीच सदियों का नाता गुजरात के उद्योगपति करें राजस्थान में निवेश, सरकार करेगी हर संभव मदद: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि गुजरात और राजस्थान के बीच सदियों से गहरे रिश्ते रहे हैं। ये संबंध हमारे बीच आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक सहयोग को निरंतर मजबूत कर एक सुनहरे भविष्य की राह प्रशस्त कर रहे हैं। शर्मा शुक्रवार को बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित ''सदाकाल गुजरात कार्यक्रम-2024'' को वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दोनों राज्य संस्कृति, वेशभूषा और खान-पान को एक-दूसरे से इस तरह साझा करते हैं कि राजस्थानी और गुजराती एक ही परिवार के सदस्य लगते हैं। दोनों राज्यों के लोक नृत्यों जैसे गरबा, घूमर, भवाई और लोक संगीत व लोक कथाओं में गहरा संबंध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात के लोग देश-विदेश में एक विशिष्ट पहचान रखते हैं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, लौहपुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल, यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह जैसी हस्तियां गुजरात से ही आती हैं। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत पर पूरी दुनिया का विश्वास बढ़ा है। प्रधानमंत्री पूरे विश्व को नई राह दिखा रहे हैं और सभी देश उनसे प्रभावित हैं। शर्मा ने कहा कि आज दुनिया के सबसे सफल व्यवसायियों में गुजराती एवं मारवाड़ी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान अपने समृद्ध इतिहास, जीवंत संस्कृति, प्राकृतिक सौंदर्य और अनुकूल औद्योगिक वातावरण के साथ निवेश के लिए एक आदर्श स्थान है। राज्य सरकार निवेशकों को आकर्षित करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने गुजराती उद्योगपतियों से राजस्थान में निवेश करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात के समान ही राजस्थान में भी निवेश की अपार सम्भावनाएं हैं। यहां खनन, पर्यटन, ऊर्जा, कपड़ा, खाद्य प्रसंस्करण, सूचना प्रौद्योगिकी जैसे विभिन्न क्षेत्रों में निवेश के अवसर उपलब्ध हैं। राजस्थान में निवेशकों के लिए भूमि अधिग्रहण की आसान प्रक्रिया, कर छूट, एकल खिड़की प्रणाली जैसी महत्वपूर्ण सुविधाएं एवं सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान में युवा और कुशल श्रमशक्ति भी मौजूद है, जो विभिन्न उद्योगों की आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम है। उन्होंने कार्यक्रम के आयोजनकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से रिश्ते मजबूत होते हैं और लोगो को एक-दूसरे के साथ काम करने का अवसर मिलता है। कार्यक्रम में उपस्थित गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने कहा कि एक भारत-श्रेष्ठ भारत की पहल के माध्यम से देश के लोगों के बीच भावात्मक संबंधों को मजबूती मिल रही है। उन्होंने कहा कि आज देश-दुनिया में भारत की एक नई पहचान स्थापित हो रही है। उन्होंने जल प्रबंधन के लिए राजस्थान सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर राजस्थान के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, गुजरात के गृह राज्यमंत्री हर्ष सांघवी ने भी संबोधित किया। इस दौरान बड़ी संख्या में अप्रवासी गुजराती भी उपस्थित रहे।

सीएम भजनलाल बोले-दुनिया में सबसे सफल व्यापारी गुजराती-मारवाड़ी

राजधानी जयपुर में 'सदाकाल गुजरात कार्यक्रम-2024' का आयोजन हुआ जिसमें गुजरात के सीएम भूपेन्द्र पटेल ने भी शिरकत की। कार्यक्रम को सीएम भजनलाल शर्मा ने वर्चुअली संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज दुनिया के सबसे सफल व्यावसायियों में गुजराती एवं मारवाड़ी शामिल हैं। सीएम ने गुजरात के उद्योगपतियों से राजस्थान में निवेश करने का आह्वान भी किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार प्रदेश में उद्यमियों को हर संभव मदद करेगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने जल प्रबंधन के लिए राजस्थान सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि एक भारत-श्रेष्ठ भारत की पहल के माध्यम से देश के लोगों के बीच भावात्मक संबंधों को मजबूती मिल रही है। इससे आज देश-दुनिया में भारत की एक नई पहचान स्थापित हो रही है। सदाकाल गुजरात कार्यक्रम का आयोजन गुजरात सरकार की ओर से अप्रवासी गुजरातियों को अपनी जड़ों से जोड़ने के लिए देश के प्रमुख शहरों में कराया जाता है। जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में आज इस कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

राजस्थान में निवेश की अपार संभावनाएं

सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि गुजरात के समान ही राजस्थान में भी निवेश की अपार सम्भावनाएं हैं। यहां खनन, पर्यटन, ऊर्जा, कपड़ा, खाद्य प्रसंस्करण, सूचना प्रौद्योगिकी जैसे विभिन्न क्षेत्रों में निवेश के अवसर उपलब्ध हैं। राजस्थान में निवेशकों के लिए भूमि अधिग्रहण की आसान प्रक्रिया, कर छूट, एकल खिड़की प्रणाली जैसी महत्वपूर्ण सुविधाएं एवं सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान में युवा और कुशल श्रमशक्ति भी मौजूद है, जो विभिन्न उद्योगों की आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम है।

गुजरात के लोग देश-विदेश में विशिष्ट पहचान रखते हैं

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात के लोग देश-विदेश में विशिष्ट पहचान रखते हैं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, लौहपुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह जैसी हस्तियां गुजरात से ही आती हैं। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत पर पूरी दुनिया का विश्वास बढ़ा है। प्रधानमंत्री पूरे विश्व को नई राह दिखा रहे हैं और सभी देश उनसे प्रभावित हैं। दोनों राज्य संस्कृति, वेशभूषा और खान-पान को एक-दूसरे से इस तरह साझा करते हैं कि राजस्थानी और गुजराती एक ही परिवार के सदस्य लगते हैं। दोनों राज्यों के लोक नृत्यों जैसे गरबा, घूमर, भवाई और लोक संगीत व लोक कथाओं में गहरा संबंध है।

आज की नारी के "मन की बात"

सहनशक्ति नहीं.....शक्ति है "आज की नारी"

उदयपुर. शाबाश इंडिया

क्षीण नहीं, अबला नहीं, ना ही वह बेचारी है, जोश भरा लिबास पहने, गर्व से चलती, आज की नारी है। ये पंक्तियाँ वैश्विक परिदृश्य में आज की नारी की सशक्त स्थिति को सही-सही बयाँ करती हैं। बेहद मुखरता के साथ देश-दुनिया के मुद्दों पर अपना पक्ष रखने वाली और आज के प्रतियोगी युग में मर्दों के साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर देश की आर्थिक एवं राजनैतिक उन्नति में अपना योगदान देने वाली नारी को केवल एक ही दिन के लिए याद करना महज औपचारिकता भर है। क्योंकि नारी का योगदान तो हमारी दिनचर्या में सूर्योदय से लेकर सूर्यास्त निरंतर बना रहता है। या यूं कहें कि हमारे हर दिन की सुंदर शुरूआत नारी के सहयोग के बिना अधूरी है। लेकिन बदलते वक्त के साथ हमारे समाज में महिलाओं की स्थिति में क्या बदलाव आए हैं और वे खुद इस बदलाव के विषय में क्या सोचती हैं, इन तमाम मुद्दों के विषय में आइए जानते हैं, आज की आधुनिक नारी के विचार.....

रितु सिंह, एस्ट्रोलॉजर, राइटर

गीता में श्री कृष्ण ने स्वयं कहा है कि मैं हर नारी में यश वाक्कौशल, स्मरण शक्ति, धैर्य और क्षमता के रूप में विद्यमान हूं। नारी महत्ता का इससे बड़ा उदाहरण क्या हो सकता है। वैदिक काल से ही स्त्री एक साथ कई कई मोर्चों पर अपनी कार्य क्षमता पर खरी उतरी है। ऋग्वेद काल की महारानी विश्पाला से लेकर आज की सुपर वुमन तक हर काल, हर परिस्थिति में स्त्री ने अपनी सशक्त छवि प्रस्तुत की है। प्राचीन काल में जहां रानियाँ राज्य संभालने के साथ-साथ युद्ध क्षेत्र में एक कुशल योद्धा के रूप में प्रसिद्ध थीं, वहीं आज के युग में घर और ऑफिस की जिम्मेदारियों को बखूबी निभाते हुए कला, विज्ञान, साहित्य एवं समाज सेवा जैसे क्षेत्रों में भी अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही है। आज की नारी के लिए जय शंकर प्रसाद की यह पंक्तियां बिल्कुल उपयुक्त है नारी तुम केवल श्रद्धा हो...

किरण बाला,शिक्षिका एवं साहित्यकार

आधुनिक महिला के मन की बात करें तो हम जानेंगे कि वह बहुजिम्मेदारियों का निर्वहन करती अपने अस्तित्व को कायम करने का भरसक प्रयास कर रही है। ऐसा नहीं है कि इस युग में सभी स्त्रियां बहुत मजबूत स्थिति में आ गई। आज भी समाज में महिलाओं के कई वर्ग है, एक वर्ग की स्त्रियां अभी भी दोयम दर्जे का जीवन जी रही है, एक वर्ग की स्त्रियां अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है, एक वर्ग की स्त्रियां स्वयं को स्थापित करने की जद्दोजहद कर रही है। हां, वहां स्थितियां कुछ ठीक है जहां उसे समाज में बराबर का स्थान प्राप्त है लेकिन ऐसा

प्रतिशत बहुत कम है। यह कहना उचित होगा कि आज स्त्रियों की स्थिति के कई वर्ग बन गए हैं। जहां वह स्वतंत्रता से आर्थिक प्रगति में सहयोग कर रही है, वहीं दूसरी ओर उसकी अस्मिता को बुरी तरह कुचला जा रहा है। जबकि वह घर के साथ बाहर भी अपना श्रेष्ठ देने का प्रयास कर रही है। आज की स्त्री के हाथ में मोबाइल, गाड़ी की चाबी, सुलझी हुई समझ और कलम की ताकत है, इस दम पर वह अपना कद ऊंचा कर सकी है। सकारात्मक सोचें तो यह सही है कि स्त्रियां मुखर हो गई है, समाज के विकास में उनकी भागीदारी बढ़ रही है, यह अच्छा संकेत है।

डॉ. मनीषा वाजपेयी

डायरेक्टर पैसिफिक आईवीएफ सेन्टर।

बदलते वक्त के साथ महिलाओं की स्थिति में भी आमूल-चूल परिवर्तन हुआ है। कभी केवल घर-आंगन तक सीमित रहने वाली नारी आज पढ़-लिखकर देश के हर क्षेत्र में में कार्य कर रही है। वो न सिर्फ.एक डॉक्टर के रूप में अपने देशवासियों को अच्छे स्वास्थ्य का वरदान दे रही है, बल्कि अपने कुशल एवं आधुनिक चिकित्सा ज्ञान से सैंकड़ों-हजारों माँओं की सूनी गोद भरकर उनके मातृत्व को पूर्णता प्रदान कर रही है। बदलते भारत की नारी डरी-सहमी नहीं, अपितु सशक्त, साहसी और सृजनशीलता की प्रतीक है।

उमा तुर्किया

लीगल एडवाइजर, 'सखी' वन स्टॉप सेन्टर

वो जमाने चले गए हैं जब नारी सहमी-सकुचाई सी, घर के किचन तक ही सीमित थी। आज की नारी पढ़-लिखकर उच्च एवं सम्मानजनक पदों पर विराजमान होकर समाज एवं देश की उन्नति में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। वो न केवल स्वयं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक है, बल्कि समाज की अन्य पीड़ित महिलाओं को भी जागरूक कर उन्हें अन्याय के प्रति आवाज उठाना सिखा रही है। दूसरे शब्दों में कहूँ तो कविता की ये पंक्तियाँ आज की नारी की सशक्त सामाजिक स्थिति को बयान करने के लिए काफी हैं.....

नारी से ही सृष्टि है, नारी युग की शान
नारी बिना अपूर्ण है ज्ञान और विज्ञान,
सुंदरता की मूर्ति है, साहस का वरदान,
मानवता के नित नए रचती है प्रतिमान।

रेखा सिसोदिया, थिएटर डायरेक्टर

कहा जाता है कि आज नारी को मर्द के बराबर का दर्जा मिल रहा है। लेकिन कहाँ? सिर्फ किताबों मे, भाषणों में, सांत्वनाओं में या सिर्फ बातों में। इसे एक छोटे से उदाहरण से समझते है। एक घर में माँ, बेटा और बहु रह रहे हैं। बेटा और बहु दोनों ही नौकरी करते हैं। माँ हमेशा कहती है- मेरे लिए तो मेरी बहु, मेरी

बेटी नहीं, बल्कि मेरे बेटे जैसी है। जो मैं बेटे के लिए करती हूँ, वही बहु के लिए भी। कितना अच्छा लगता है ना, ये सब सुनना। अब सच्चाई सुनें। बेटा जब भी रसोई में जाकर काम करता है, तो माँ उसकी मदद करती है। लेकिन जब बहु काम करती है, तो माँ यही कहती है कि उसे तो सब आता है, मदद की जरूरत नहीं। यहाँ कथनी और करनी का फर्क साफ दिखाई देता है। बराबरी की बात हम कहते जरूर हैं.लेकिन मानते नहीं। शहर की पढ़ी-लिखी, नौकरीपेशा स्त्री हो या फिर दूर-दराज गाँव की गाय दुहने वाली महिला, उसके मन की बात यही है कि उसको सम्मान, समानता, अपने विचार व्यक्त करने की स्वतंत्रता और अपने जीवन के फैसले लेने का अधिकार चाहिए। वो भी सिर्फ बातों मे नहीं बल्कि हकीकत में।

गुरू विद्यासागर पर हम सबको है नाज - दीक्षा स्थली अजमेर में नतमस्तक होगा जैन समाज

समता पूर्वक समाधि

अहिंसा के मसीहा, जन जन के नायक संत शिरोमणी

आचार्य श्री 108 विद्यासागरजी महाराज

भजन भावांजलि

शनिवार, 9 मार्च 2024, रात्रि 7.30 बजे से

स्थान : विद्यासागर तपोवन

छतरी योजना, वैशाली नगर, अजमेर

आत्मीय आमन्त्रण

"गुरूवर" आप बहुत याद आयेंगे .....

मुख्य अतिथि : श्री वासुदेव देवनानी (राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष)

समारोह अध्यक्ष : श्री सुरेश सिंह रावत (जल संसाधन मंत्री, राज. सरकार)

अति विशिष्ठ अतिथि : श्री भागीरथ चौधरी (सांसद, अजमेर)

विशेष आयोजन

आचार्य गुरूवर के 56 चातुर्मासों की स्मृति में 56 मचों पर 56 पुण्यार्जक परिवारों द्वारा

महाआरती

विशिष्ट अतिथि :

श्रीमती अनिता भदेल (विधायक अजमेर दक्षिण), श्री रामस्वरूप लाम्बा (विधायक नसीराबाद),
श्री शंकरसिंह रावत (विधायक ब्यावर) श्री शत्रुघ्न गौतम (विधायक केकड़ी),
श्री विकास चौधरी (विधायक, किशनगढ़), श्रीमती बृजलता हाड़ा (महापौर),
श्री नीरज जैन (उपमहापौर), श्री रमेश सोनी (जिलाध्यक्ष भा.ज.पा.)
श्री विजय जैन (जिलाध्यक्ष कांग्रेस), श्री पुखराज पहाडिया (पूर्व जिला प्रमुख, अजमेर)

गरिमामयी उपस्थिति

ब्र.सुकांत भैयाजी, ज्ञानोदय तीर्थ

परम गुरू भक्त शिरोमणी

श्री अशोकजी-सुशीलाजी पाटनी, आर.के.ग्रुप, किशनगढ़

प्रतिष्ठाचार्य श्री कुमुदचंदजी सोनी

चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलनकर्ता

श्री महेन्द्रचंद जी - शशि जी गंगवाल सुयोग जी गंगवाल परिवार, अजमेर

सम्माननीय अतिथि

किशनगढ़ : सर्वश्री प्रकाशचंदजी गंगवाल, विनोदजी पाटनी उस्तेवा, निर्मलचंदजी पहाड़िया, संजयजी पापड़ीवाल, निरंजनजी बैद, इंदरचंदजी पाटनी, राजेशजी पाण्ड्या, सुभाषजी बड़जात्या, विनोदजी चौधरी, विजयजी काला, अशोकजी पाटनी उत्कर्ष, महेन्द्रजी पाटनी उस्तेवा, माणकजी गंगवाल कडैल, निर्मलजी पांड्या भादवा, चन्द्रप्रकाशजी बैद, आनन्दजी जैन, अतुलजी लुहाड़िया, जितेन्द्रजी पाटनी, मुकेशजी पाटनी, सुरेन्द्रजी दगड़ा, राजकुमारजी दोसी, कमलजी बैद, विमलजी बड़जात्या, महेन्द्रजी पाटनी, गुणमालाजी पाटनी, सुभाषजी सेठी, सुभाषजी चौधरी, पवनजी लुहाड़िया, राकेश मोहनजी पहाड़िया, नवरतनदेवी दगड़ा, निर्मला पाटनी, निशा रारा, संगीता पापड़ीवाल, सुलोचना कासलीवाल, रश्मि छाबड़ा, कुसुम दोसी

ब्यावर : सर्वश्री कैलाशजी बड़जात्या, विजयजी फागीवाला, पारसजी कासलीवाल, दिलीपजी फागीवाला, कमलजी संचवा, राजकुमारजी पहाड़िया, सुमन दगड़ा

विजयनगर : सर्वश्री प्रकाशचंदजी बड़जात्या, सुभाषजी कासलीवाल, प्रकाशजी अजमेरा, वच्छराजजी दोसी, अजयजी कोठारी, संजयजी कासलीवाल, सरिता कोठारी, भाग्यवंती छाबड़ा

केकड़ी : सर्वश्री मनोजजी पांड्या, शीतलजी कटारिया, आशीषजी ठोल्या, राकेशजी कासलीवाल, पदमचंदजी बीजवाड़, महावीरप्रसादजी जैन, शांतिलालजी जैन, सुनीलजी जैन गुणोदय

नसीराबाद : सर्वश्री कुंतीलालजी गदिया, अशोकजी बाकलीवाल, रोशनजी बड़जात्या, विनोदजी पाटनी, अरुणजी पाटनी, ओमजी बड़जात्या, हर्षद बड़जात्या, श्रीमती कांता बड़जात्या

अजमेर : सर्वश्री प्रमोदचंदजी सोनी, प्रदीपजी पाटनी, मनीषजी गदिया, पवनजी बखरी, मिश्रीलालजी गदिया, अतुलजी दिलवारी, कैलाशचंदजी सेठी, डॉ.आर.के.गोधा, सुनीलजी होकरा, प्रकाशजी पाटनी, राकेशजी गदिया, दिनेशजी पाटनी, वीरेन्द्रजी बाकलीवाल, राजकुमारजी गैसा, सुशीलजी पल्लीवाल, वृद्धिचंदजी बाकलीवाल, अजयजी दनगसिया, विजयजी दनगसिया, अशोकजी कासलीवाल, सुनीलजी दोसी, सुशीलजी बाकलीवाल, धनेशजी गोधा, योगेन्द्रजी कोलानायक, सुनीलजी दिलवारी, टीकमचंदजी पाटनी, मनोजजी कोलानायक, राकेशजी धीया, सुभाषजी चडीसिया, हेमन्तजी जैन, सुनीलजी काके, ललितजी पांड्या, विनितजी उनेरिया, विरेन्द्रजी बाड़मेर वाले, मनीषजी सेठी, बसंतजी सेठी, अनिलजी गदिया, नितिनजी दोसी, प्रवीणजी गदिया, अतुलजी पाटनी, नेमीचंदजी पाटनी, लालचंदजी बोहरा, नरेशजी गंगवाल, अनुरागजी लुहाड़िया, नितिनजी जैन, कमलजी गंगवाल, रमेशजी पाटनी, सुशीलजी दोसी, कमलजी सोगानी, कमलजी बड़जात्या, राजेशजी सोनी, सुनीलजी खटोड़, अजयजी दोसी, मनोजजी मडोसिया, ज्ञानचंदजी पाटनी, सुनील सोगानी, कमल कासलीवाल

महिला मंडल अजमेर : मधु पाटनी, अंजु अजमेरा, सखी जैन, सीतमा जैन, कुसुम जैन, चंदा दोसी, सुशीला जैन, कामिनी सेठी, शशि पाटनी, सीमा पांड्या, कमलेश जैन, मैना बड़जात्या, मंजू गंगवाल, नवल छाबड़ा, रूपश्री जैन, रजनी गंगवाल, लता जैन, सपना पाटनी, रती बज, प्रीति गदिया, निर्मला पाण्ड्या, सूर्यकान्ता सेठी, रवी जैन (पार्षद), सोनिका गैसा, अर्चना गंगवाल

ड्रेस कोड : पुरूष सफेद परिधान एवं महिलायें फाग परिधान में पधारें।

आयोजन स्थल प्रदाता : श्री दिगम्बर जैन बीसपंथी अजमेर आम्नाय पंचायत बड़ा धड़ा, अजमेर

गौरवमयी उपस्थिति : सम्माननीय समाज बंधु, सकल दिगम्बर जैन समाज, किशनगढ़। केकड़ी। नसीराबाद। ब्यावर। बिजयनगर

विशेषाग्रह : समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकर्त्तागण जागृति मंच, अजमेर

निवेदक : सकल दिगम्बर जैन समाज, जिला अजमेर आयोजक : श्री दिगम्बर जैन मुनि संघ सेवा जागृति मंच, अजमेर

वेद ज्ञान

न घबराएं आलोचना से...

आलोचना से कोई भी मनुष्य बच नहीं सकता। जो मनुष्य जितना बड़ा होता है, उसकी आलोचनाएं भी उतनी ही बड़ी होती हैं। इसलिए आलोचना से घबराकर धैर्य नहीं खोना चाहिए। अपने द्वारा व्यक्त प्रतिक्रिया पर ही हमारा सम्मान, भावनात्मक दृढ़ता और प्रसन्नता निर्भर रहती है। आलोचना दो प्रकार की होती है-रचनात्मक और विध्वंसात्मक। प्रत्येक मनुष्य को जीवन में किसी-न-किसी समय आलोचना का शिकार होना ही पड़ता है। आलोचना सम्मान पर प्रत्यक्ष हमला करती है। इसलिए क्रोध आना भी स्वाभाविक है। आलोचक को कभी शत्रु नहीं मानना चाहिए कि वह बदनाम करने के लिए लांछन लगा रहा है, ऐसा सदैव नहीं होता। भ्रांतियां भी कारण हो सकती हैं। घटना का उद्देश्य सही रूप से न समझ पाने पर लोग मोटा अनुमान यही लगा लेते हैं कि शत्रुतावश ऐसा कहा जा रहा है, जबकि उसकी भूल इतनी सी होती है कि वस्तुस्थिति को समझे बिना किसी प्रसंग का मनमाफिक भाव लगा लेता है और जांच-पड़ताल या प्रतीक्षा किए बगैर जो मन में आया वह कहने लगता है। निंदा करने वालों का इसमें घाटा ही रहता है। यदि उसकी बात सत्य है, तो भी लोग चौकन्ने हो जाते हैं कि कहीं हमारा कोई भेद इसके हाथ तो नहीं लग गया, जिसे यह सर्वत्र बकता फिरे। झूठी निंदा बड़ी बुरी मानी जाती है फिर विद्वेष उसका कारण माना जाता है। निंदा सुनकर क्रोध आना और बुरा लगना स्वाभाविक है, क्योंकि इससे स्वयं के स्वाभिमान को चोट लगती है, पर समझदार लोगों के लिए उचित है कि ऐसे अवसरों पर संयम से काम लें। यह देखें कि ऐसा अनुमान लगाने का अवसर उसे किस घटना या कारणवश मिला। अटपटे व्यवहार भी कई बार दोष-दुर्गुण जैसे ही खतरनाक होते हैं, उनसे बचकर रहें। यदि बात सर्वथा मनगढ़ंत सुनी-सुनाई है, तो अवसर पाकर यह उन्हीं से पूछा जाना चाहिए कि उसने इस प्रकार गलतफहमी क्यों उत्पन्न की, एक बार कारण तो पूछ लिया होता। इतनी छोटी बात से उसका मुख भविष्य के लिए बंद हो जाएगा और यदि कही बात सत्य है, तो आत्मसुधार की बात सोचनी चाहिए। कभी-कभी आलोचना को स्वीकार कर लेना भी उचित होता है। यदि सत्य है, तो स्वीकार करके सुधार करना चाहिए। निरर्थक आलोचना को महत्व न दें और सन्मार्ग पर बढ़ते जाएं।

संपादकीय

भारतीयों को सरकार से मदद की दरकार

पिछले कुछ समय से लगातार ऐसी खबरें आ रही थीं कि रोजगार दिलाने का हवाला देकर रूस ले जाए गए कुछ लोगों को युद्ध के मोर्चे पर लगा दिया गया और अब वहां से उनकी वापसी मुश्किल हो गई है। इसी क्रम में आई एक खबर के मुताबिक, सहायक की नौकरी मिलने के भरोसे पर रूस गए एक भारतीय को रूसी सेना में भर्ती करा दिया गया, जहां युद्ध में गोलीबारी की वजह से उसकी जान चली गई। यह इस तरह की दूसरी घटना है। अब इस

मामले के तूल पकड़ने के बाद ऐसे अनेक मामले सामने आने लगे हैं, जिनमें कई लोगों को नौकरी दिलाने का झांसा देकर सहायक के रूप में रूस की सेना के साथ युद्ध में झोंक दिया गया। ऐसे कम से कम सौ लोगों के रूसी सेना में काम करने की खबर आई है। हाल में वहां पर्यटक वीजा पर वहां ले जाए गए सात लोगों को हिरासत में ले लिया गया और बाद में ''सहायक'' के रूप में रूसी सेना में भर्ती होने पर मजबूर किया गया। साथ ही यह धमकी दी गई कि अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो उन्हें दस वर्ष की कैद की सजा दी जाएगी। अब रूस में युद्ध के मोर्चे पर फंसा दिए गए लोग और उनके परिजन उन्हें बचाने के लिए मदद मांग रहे हैं, दूसरी ओर भारत सरकार की ओर से ऐसे लोगों को देश वापस लाने की कोशिश की जा रही है। जाहिर है, रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध में अब वैसे लोगों का भी इस्तेमाल किया जाने लगा है, जो रोजी-रोटी के लिए नौकरी की भूख में अपने घर से जोखिम उठा कर किसी के भरोसे पर निकल गए थे। यों यह एक जगजाहिर हकीकत है कि युद्ध के दौरान उसमें शामिल पक्ष शायद ही किसी नैतिकता या मानवीयता की बात पर गौर करते है। इसलिए रोजगार के जरूरतमंदों को इस कदर जाल में फंसा कर उन्हें युद्ध के मोर्चे पर झोंक देना कोई हैरान करने वाली बात नहीं है, लेकिन धोखा देकर अन्य देशों के नागरिकों को जंग के जानलेवा जोखिम में डालने को किसी भी हाल में उचित नहीं कहा जा सकता। रूस एक ताकतवर देश है, मगर यह विचित्र है कि उसे अपनी ओर से युद्ध लड़ने के लिए सैनिकों की जरूरत को अन्य देशों से आए रोजगार के भूखों को धोखा देकर पूरा करने की दशा का सामना करना पड़ रहा है। किसी को जीने के लिए रोजगार की जरूरत होती है और उसके हालात का फायदा उठा कर उसे धोखे से जानलेवा जोखिम के दलदल में धकेल दिया जाता है। अक्सर ऐसी खबरें आती रहती हैं कि पढ़ाई और रोजगार के नाम पर विदेश भेजने वाले एजंटों का तंत्र कैसे काम करता है। इसी क्रम में ऐसा लगता है कि रूस और भारत में कुछ समूह रोजगार की तलाश करते युवाओं को ज्यादा तनख्वाह से लेकर अन्य सुविधाओं सहित तरह-तरह के प्रलोभन देकर जाल में उलझाते हैं। इसमें फंसने वाले युवाओं को जब वास्तविकता का पता चलता है, तब तक देर हो चुकी होती है। विचित्र यह भी है कि दूसरे देश जाने या वहां से आने वाले हर एक व्यक्ति पर निगरानी रखने के दावे के बीच यह भी समांतर तंत्र के तौर पर देखा जाता है कि कुछ एजंट लोगों को बरगला कर गलत तरीके से कहीं ले जाते हैं और वहां किसी जाल में फंसने के लिए छोड़ देते हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

धोखाधड़ी के संजाल

इंटरनेट के फैलते दायरे के साथ-साथ इसे ठगी का जरिया बनाने वालों ने जिस तरह लोगों को अपनी कारगुजारियों का शिकार बनाना शुरू कर दिया है, उससे नई तरह की जटिलता खड़ी हो रही है। गुरुवार को आई एक खबर के मुताबिक नोएडा में पुलिस ने एक काल सेंटर का भंडाफोड़ किया और उसके उन चौदह कर्मचारियों को गिरफ्तार किया, जिन्होंने विदेशी नागरिकों से करोड़ों रुपए ठग लिए थे। अच्छे-खासे संसाधनों और आधुनिक तकनीकों के साथ काल सेंटर के रूप में संगठित रूप से यह कारोबार चलाने वाले ये लोग दरअसल अमेरिका और अन्य देशों में रहने वाले लोगों को अपने झांसे में लेकर उनके कंप्यूटर में वायरस डाल देते थे और इसके बाद उसे ठीक करने के नाम पर उनसे मोटी रकम वसूलते थे। माना जाता है कि इंटरनेट पर होने वाली गतिविधियां आमतौर पर पारदर्शी होती हैं और इस पर अवांछित वसूली करना मुश्किल हो सकता है। मगर इस तरह का फजीर्वाड़ा करने वाले आपराधिक तत्त्व गलत तरीके से पहले अमेरिका या अन्य देशों में रहने वाले लोगों से संबंधित ब्योरा या उनका डेटा हासिल करते हैं। फिर उन्हें आर्थिक अपराधों के जाल में फंसने का डर दिखा कर, कभी कंप्यूटर में वायरस डाल कर या फिर लुभावने आर्थिक प्रस्तावों के जरिए अपनी बातों में फंसाते हैं। इसके बाद मुश्किल से बचाने के नाम पर मोटी रकम वसूलते हैं। अकेले नोएडा में ऐसे कई मामले पकड़े जा चुके हैं। उम्मीद यही की गई थी कि आनलाइन माध्यम से होने वाले कामकाज से पारदर्शिता आएगी और इसके सहारे आर्थिक अपराधों को रोका जा सकेगा। मगर अलग-अलग तरीके से खड़े किए गए आनलाइन कारोबार में आए दिन जिस तरह ठगी की घटनाएं सामने आ रही हैं, उससे यही लगता है कि धोखाधड़ी करने वालों ने इस माध्यम में भी अपनी घुसपैठ कर ली है और नए-नए तरीकों से धोखा

देकर लोगों से आर्थिक लूट में लिप्त हो गए हैं। यों पुलिस महकमे के साइबर अपराध शाखाओं की ओर से ऐसे तत्त्वों पर लगाम कसने की कोशिश की जाती है, मगर फर्जी काल सेंटर के जरिए धोखाधड़ी के फैलते संजाल पर काबू पाना मुश्किल साबित हो रहा है।

50th HAPPY Wedding Anniversary

श्रावक शिरोमणि जैन गौरव भामाशाह श्री अशोक जी पाटनी - भाभी जी श्रीमती सुशीला जी पाटनी को स्वर्णिम वैवाहिक वर्षगाठ पर हार्दिक बधाइयाँ एवं शुभकामनाये

शुभेच्छु- विनोद(मोनू), रवीना जैन

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के प्रवचन से

खरीद लो पैसों से संसार के सारे सुख सुविधाओं को..
बस जाते-जाते इतना बता देना सुकून का भाव क्या था.. ?

संसार में कुछ भी व्यर्थ नहीं है। जीवन से जीवन जुड़ा है। मनुष्य जाति अकेली जिंदा नहीं रह सकती, उसे जिंदा रहने के लिए पशु और पक्षियों का, यहाँ तक कि पेड़ और पौधों का, सागर-सरिताओं का साथ भी जरूरी है। पूरी दुनिया एक कम्बाइंड फैमिली है। पूरा ब्रह्मांड एक संयुक्त परिवार है। यहाँ हर एक का जीवन किसी दूसरे जीवन से जुड़ा है। तुम्हारे घर के सामने एक पत्थर पड़ा है, अथवा वह जो पेड़ खड़ा है, वह भी व्यर्थ नहीं है। कहीं ना कहीं किसी न किसी रूप में, तुम्हारा जीवन उससे भी जुड़ा है। उस पत्थर को क्षति पहुंचाना अथवा उस पेड़ को नष्ट करना, परोक्ष रूप से अपने विनाश को आमंत्रित करना है। पहले वृक्षों और जंगलों की अंधाधुंध कटाई करके हमने हरे-भरे जंगलों और पहाड़ों को नंगा कर दिया, लेकिन पर्यावरण की दृष्टि से जब यह महसूस होने लगा जीवन अस्तित्व के लिए वृक्षों का होना बहुत जरूरी है। पर्यावरण संतुलन के लिए हरे-भरे जंगलों का होना जरूरी है, तो जोर शोर से जंगलों को विकसित किया जाने लगा और वृक्षारोपण अभियान चलाया जाने लगा। जब जागो तब सवेरा... ! **नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।**

आर्यिका श्रुतमति माताजी, आर्यिका सुबोध मति माताजी ससंघ का निवाई के लिए हुआ भव्य मंगल विहार

फागी. शाबाश इंडिया। कस्बे के पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में विराजमान आर्यिका श्रुतमति माताजी, आर्यिका सुबोध मति माताजी ससंघ का निवाई शहर के लिए हुआ भव्य मंगल विहार, जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया की उक्त संघ ने पावन चातुर्मास 2024 में अनेक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित कर समाज में धर्म की भव्य प्रभावना बढाई । उक्त संघ का यह 49 वां पावन चातुर्मास था, संघ ने समाज के सहयोग से 50 वां स्वर्ण दीक्षा जयन्ति महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया, संघ ने 76 वां जन्मोत्सव भी हर्षोल्लास से मनाया। संघ ने 50 वां पारसनाथ स्थापना दिवस भी जोर-जोर से मनाया, संघ ने अष्टानिका महापर्व में भी अनेक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित कर समाज में धर्म की भव्य प्रभावना बढाई, उक्त संघ ने दशलक्षण महापर्व में जिन सहस्त्रनाम विधान का आयोजन करा कर धर्म की भव्य प्रभावना बढाई। संघ ने गुणस्थली चकवाडा में मुनिवर्य गुण सागर जी महाराज के समाधि दिवस पर विशेष आयोजन आयोजित कराया। आज भव्य मंगल विहार में अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा, मंदिर समिति के मंत्री कमलेश चौधरी,पंडित संतोष बजाज, सत्येंद्र कुमार झंडा, अशोक कागला अनिल कठमाना, त्रिलोक जैन पीपलू, मुकेश की गिंदोडी, बाबूलाल पहाड़िया, विमल कलवाड़ा, राजकुमार मांदी, गगन कलवाड़ा, आर्जव नला, आदित्य कलवाड़ा, सभी फागी, सुनील चैनपुरा निवाई, राजेंद्र सेदारिया निवाई,मुकेश पहाड़ी निवाई ,मधु चैनपुरा निवाई, तथा संजू कागला,उर्मिला नला ,सुनीता मोदी, रेखा कठमाना, गुणमाला झंडा सहित सभी श्रावक श्राविकाएं साथ साथ थे।

आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज का वैशाली नगर जयपुर में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के लिये हुआ मंगल विहार

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर वैशाली नगर में प्रथम तल पर प्रतिष्ठित होने जा रहे नव निर्मित जिनालय में तीर्थंकर जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा के लिए आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज के सानिध्य में कराने के लिये सभी भक्तों ने कामां पंचकल्याणक महोत्सव में जाकर श्रीफल भेंट किया। मुख्य संयोजक विशाल लाडनूं एवं आलोक काला ने बताया कि पात्रों का चयन बोली के माध्यम से किया गया। पंचकल्याणक महोत्सव समिति के अध्यक्ष गजेंद्र बड़जात्या एवं महामंत्री राजेश पाटनी ने बताया की प्रतिष्ठाचार्य मनोज जी शास्त्री के दिशा निर्देशन में पंचकल्याणक के पात्रों का चयन किया गया जिसमें सभी समाजजन ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया और तीर्थंकर के माता पिता , सौधर्म इंद्र, कुबेर, महायज्ञनायक, ईशान इंद्र जैसे 16 इंद्र, स्वर्ण सौभाग्यवती, छप्पन कुमारियां, अष्टकुमारी,

लौकांतिक देव, तीर्थंकर बालक, मंडलेश्वर, महामंडलेश्वर आदि पात्रों का चयन किया गया। भगवान के माता पिता बनने का सौभाग्य अशोक-संतोष पाटनी, सौधर्म इंद्र प्रवीण-प्रिया बड़जात्या, कुबेर इंद्र सुरेंद्र- गीतिका, महायज्ञनायक राजेश-समता पाटनी परिवार को प्राप्त हुआ। पंचकल्याणक का मुख्य कलश स्थापना करने का सौभाग्य शांति कुमार ममता प्रियतम सौगानी परिवार जापान वालों को प्राप्त हुआ। मीडिया प्रभारी विक्रान्त जैन ने बताया कि आगामी 6 दिवसीय पंचकल्याणक वैशाली नगर में 27 मार्च से 1 अप्रैल तक आचार्य श्री सुनील सागर जी ससंघ के सानिध्य में भव्यतम तरीके से पूर्ण होगा। कार्याध्यक्ष हरीश जैन एवं बनवारीलाल जैन ने बताया कि भव्य पांडाल की तैयारियां जोर शोर के साथ चालू हो गई हैं। प्रथम दिवस पर घट यात्रा एवं आचार्य श्री के प्रवेश के समय 19 हाथी, 7 घोड़े, एवं कई विशेष प्रकार की झाँकियों से श्री जी को नगर भ्रमण कराया जायेगा।

भगवान महावीर के 2622 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के द्वारा

मुख्य प्रायोजक R K GROUP Kishangarh, Rajasthan www.rkmarble.com | www.wondercement.com
सह प्रायोजक ARL Infratech Ltd.
सह प्रायोजक समाचार जगत

हास्य व्यंग्य कवि सम्मेलन

शनिवार, 16 मार्च 2024
सांय 7:00 बजे से

स्थान: भट्टारक जी की नशियां
नारायण सिंह सर्किल, जयपुर

आमंत्रित कविगण

श्री सुरेन्द्र यादवेन्द्र (बांरा) (ठहाका सम्राट)

श्री अशोक माटी (उज्जैन) (संचालक व हास्य कवि)

श्री संजय झाला (जयपुर) (हास्य कवि)

श्री अशोक चारण (केकड़ी) (वीररस कवि)

स्वर कोकिला दीपिका माही (उदयपुर) (कवयित्री)

श्री दीपक पारीक (भीलवाड़ा) (हास्य कवि)

श्री प्रहलाद चांडक (जयपुर) (ओजस्वी गीतकार)

निवेदक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप राजस्थान रीजन, जयपुर
राजेश बड़जात्या अध्यक्ष | अनिल जैन IPS संस्थापक अध्यक्ष | यश कमल अजमेरा निर्वतमान अध्यक्ष | निर्मल संघी महासचिव | पारस कुमार जैन कोषाध्यक्ष

आयोजक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर
मनीष लोंग्या अध्यक्ष | राकेश गोदिका संस्थापक अध्यक्ष | राजेश पाटनी सचिव | दिलीप पाटनी कोषाध्यक्ष

कवि सम्मेलन आयोजन समिति
दर्शन बाकलीवाल मुख्य समन्वयक | सुरेन्द्र पाण्ड्या परामर्शक | राजेश गंगवाल परामर्शक | विनोद तिजारिया परामर्शक | दिनेश गंगवाल परामर्शक | राकेश गोदिका मुख्य समन्वयक
संजय छाबड़ा समन्वयक | राकेश संघी समन्वयक | अनिल संघी समन्वयक | चक्रेश जैन समन्वयक | अनिल रावंका समन्वयक | राजेश छाबड़ा समन्वयक | राजीव जैन समन्वयक
कमल ठोलिया सह-समन्वयक | प्रदीप जैन बाकलीवाल सह-समन्वयक | अनिल जैन चौधरी सह-समन्वयक | नितेश पाण्ड्या संयोजक | सपन छाबड़ा संयोजक | सुधीर गोधा संयोजक

आदिनाथ नयन्ती से महावीर नयन्ती तक
विशाल रक्तदान शिविर
(विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से आयोजित किये जायेंगे।)
रक्तदान शिविर लगवाने के लिये सम्पर्क करें
सम्पर्क सूत्र :: 9414078380, 9414073035 9785074581, 9829594488, 9414041225

48 मण्डलों पर 48 दीपकों से भक्तामर अनुष्ठान
समाज भूषण स्वर्गीय श्री राजेन्द्र के. गोधा जी की पुण्य स्मृति में
तृतीय जीवन रक्षक सम्मान समारोह–2024
रक्तदान शिविर आयोजन में सहयोग करने वाली संस्थाओं का सम्मान
शनिवार, 20 अप्रेल 2024 | समय : सायं 7.00 बजे से | स्थान : छतरी वाला भाग, भट्टारक जी की नशियां, जयपुर

"जन-जन के सहयोग में ही देश सेवा" आमेर रंग महोत्सव 2024 में प्रस्तुति

जयपुर. शाबाश इंडिया

आमेर रंग महोत्सव 2024 में कला संस्कृति, साहित्य एवं पुरातत्व विभाग के माध्यम से नाटक देश सेवा का मंचन आमेर स्थित नाटकवाला कला मंच पर हुआ। नाटक के कथानक के अनुसार हम में से अनेको लोग ऐसे हैं जिन्हें सिर्फ ये लगता है की जो सैनिक सीमा पर खड़ा हैं वो ही देश की सेवा कर रहा हैं वैसे इसमें कोई शक की बात नहीं है परन्तु यदि हमारे अंदर भी देश के लिए कुछ करने का जज्बा है तो हम में से कोई भी व्यक्ति देश की सेवा में अपना योगदान दे सकता है लेकिन ध्यान रखना होगा की हमे खुद से शुरूआत करनी होगी और उसी जगह से शुरूआत करनी होगी जहाँ पर हम अभी हैं। देश के प्रति हमारें कुछ कर्तव्य हैं जिनका पालन करके भी हम देश कि सेवा कर सकते हैं और इसका लाभ देश को उतना ही मिलेगा, जितना कि देश के सीमा पर खड़े जवानों से मिलता है। हमारे प्रतिदिन के छोटे-छोटे कार्यों में भी देशभक्ति छुनी हुई है। आम नागरिकों को भी देश सेवा की भावना से ओतप्रोत करना चाहिए। कुछ समय पूर्व भयंकर महमारी से सभी जन दुखी थे उस समय जनभावनाओं के मन में इस त्रासदी को लेकर विश्वभर में एक दुसरे के प्रति मानव सेवा की भावना जागृत हो गई। नाटव में लेखक ने अपनी मनोव्यथा के जरिए देश सेवा को लेकर सभी का ध्यान अपनी तरफ क्रिया है। युवा रंगकर्मी प्रवीण कुमावत ने लेखक के आलेख को यथार्थवादी शैली में प्रस्तुत किया है। आम नागरिकों के मन में देश प्रेग की भावना नेपथ्य की तरह है। उसी भावना को नाट्य के माध्यम से नेपथ्य से मंच पर प्रस्तुत करना है। लोगों को केवल सरकार पर चिल्लाने और दोषी ठहराने के स्थान पर देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी और कर्तव्यों को समझना चाहिये। हम सभी जानते हैं कि देश की वृद्धि एवं विकास के लिये सभी व्यक्ति व्यक्तिगत रुप से जिम्मेदार हैं। नाटक के माध्यम से निर्देशक इसी विषय पर प्रकाश डालना चाहते हैं की देश किसी एक व्यक्ति से या उसके एक अच्छे कार्य से आगे नहीं बढ़ सकता। इसके लिए हम सबको आगे आना पड़ेगा, देश अच्छा तभी होगा जब हम सब मिलकर इसकी अच्छा बनायेंगे। नाटक में मंच पर रेणु सनाढ्य, अंजलि शर्मा, प्रवीण कुमावत, गोपाल प्रसाद, विवेक माथुर, विवेक शर्मा, बिजेंद्र सिंह, आदि ने अभिनय किया। मंच परे प्रकाश व्यवस्था ओम प्रकाश सैनी, मंच सज्जा विकास सैनी, बस्त्र विन्यास रेणु सनाढ्य, रूपसज्जा सुनील सोगण का रहा।

भगवान की वाणी जीवंत वाणी है इसमे कोई भेद नहीं होता है : प्रवर्तक सुकनमुनि महाराज

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

फालना। भगवान की वाणी जीवंत वाणी है इसमे कोई भेद नहीं होता है। शुक्रवार को चौपड़ा आराधना भवन में आयोजित धर्मसभा में प्रवर्तक सुकनमुनि महाराज ने श्रद्धालूओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि परमात्मा किसी के भी साथ भेदभाव नही करता है उनकी नजरो मे कोई छोटा बड़ा नहीं होता है जो व्यक्ति निस्वार्थ भाव से ईश्वर का सिमरन और भक्ति करता है तो भगवान उनके दुःख हरता है भक्ति मे अगर स्वार्थ छिपा हुआ होगा तो वह व्यक्ति जीवन में कभी सुख नहीं भोग सकता हैऔर अपनी आत्मा का कल्याण नहीं करावा पाएगा। डॉ.वरूण मुनि ने कहा कि संसार मे मानव भव प्राप्त होना अति दुर्लभ हैं वही व्यक्ति जीवन को सार्थक बना सकता है जो राग द्वेष और वस्तुओं का त्याग करेगा तभी वह संसार के जन्म -मरण के चक्र से छुटकारा प्राप्त कर सकता है। बालयोगी अखिलेश मुनि ने भजन के माध्यम से भाव व्यक्त किए। मनीष त्रिपाठी ने बताया कि धर्मसभा से पूर्व प्रवर्तक सुकनमुनि उपप्रवर्तक अमृत मुनि युवाप्रणेता महेश मुनि,बालयोगी अखिलेश मुनि,डॉ.वरूण आदि ठाणा के बाली से विहार करके फालना मे चौपड़ा आराधना भवन पधारने पर महेश नाहटा व्यवस्थापक अमित मेहता दीपचंद संचेती,नरेश मेहता,विकास कांठेड़, सरदारमल हरण, तुलसीराम चौपड़ा,गौतम पुनमिया आदि पदाधिकारियों और श्रावक श्राविकाओं ने सभी संतो की अगवानी करतें हुए अभिनन्दन किया। प्रवक्ता सुनिल चपलोत ने जानकारी देतें हुए बताया की शनिवार को प्रातः सभी जैन संत कमल विहार सांडेराव पधारेंगे।

खुद को खुश रखना एक कला: गुरु मां विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। अपने आप को खुश रखे यही जीवन चलने का नाम है, और जीवन में जितना खुश रहेंगे उतना अच्छा आपका जीवन बीतेगा। यह बात गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुंसी (राज.) के शांतिनाथ चैत्यालय के मध्य कही । उन्होनें आगे कहा कि - खुद को चेंज करने के लिए अपने आप को खुश रखे, अपने आप को सोशल वर्क में रखे, किसी की मदद करे, दुसरो की खुशियों में शामिल हो लेकिन उनसे चिढ़े या जले मत, खुद को खुश रखना भी एक बड़ी कला है, जीवन का सबसे बड़ा मन्त्र ही यही है की खुश रहो और फिर खुश रहना आपकी मदद भी करेगा खुद को बदलने के लिए। पूज्य माताजी के मुखारविंद से अभिषेक शांतिधारा करने का पुण्य महेश मोटूका, पंकज सारसोप वाले निवाई वालों ने प्राप्त किया। गुरु मां ससंघ की निर्विघ्न आहारचर्या कराने का अवसर शिमला मोटूका , संजू ललवाड़ी, पिंकी सारसोप निवाई वाले एवं व्रती आश्रम के व्रतियों ने प्राप्त किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

महिला दिवस पर स्वावलंबी महिलाओं का किया सम्मान

श्रीमती केशर देवी जैन

श्रीमती सरला जी खटोड़

श्रीमती विमला देवी झांझरी

श्रीमती भंवरी देवी पहाड़ियां

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया

सबको प्यार सबकी सेवा जीवों ओर जीने दो के उद्देश्यो वाली। संस्था महावीर इंटरनेशनल द्वारा आज अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर अपने जीवन में पारिवारीक जिम्मेदारीया से निर्वहन करते हुए अपने बच्चों को अलग अलग क्षेत्रों मे सामाजिक, शैक्षणिक, आद्योगिक क्षेत्र में सराहनीय सेवाएं देने हेतु सक्षम करने पर महावीर इंटरनेशनल वीरा संस्था द्वारा निम्न स्वावलंबी महिलाओं को सम्मानित किया गया । 82 बर्षिय के श्रीमती विमला धर्म पत्नी स्व श्री बाबुलाल जी झाझरी, 76 बर्षिय प्रधानाध्यापिका श्रीमती सरला जी खटोड़ , 89 वर्षीय श्रीमती भंवरी देवी धर्म पत्नी स्व श्री माणक चन्द जी पहाड़ियां व 87 वर्षीय श्रीमती केसर देवी स्व श्री स्वरुप चन्द जी पांड्या का अध्यक्ष वीरा सरोज पाटनी, वीरा सुनिता गंगवाल, वीरा मंजू बड़जात्या , वीरा रेखा, वीरा मनीषा , मीना, नीता, अनिता पहाड़ियां, वीरा अनीता काला, वीरा उषा झांझरी हीरामणि सन्तोष शोनु मंजुला नीता , बुलबुल जैन प्रतिभा , ने सभी वरिष्ठ महिलाओं का तिलक ,माला, साफा, साल, डूपटा ओढ़ाकर मुह मीठा कराकर सम्मान कर आशीर्वाद लिया। वीर अध्यक्ष रामावतार गोयल सचिववीर अजीत पहाड़ियां कोषाध्यक्ष वीर सुरेश जैन वीर तेजकुमार बड़जात्या, वीर संदीप पांड्या,वीर सम्पत बगड़िया ने सहयोग किया वीर सुभाष पहाड़ियां ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

-वीर अशोक अजमैरा

लायंस क्लब भीलवाड़ा शक्ति ने किया महिलाओं का सम्मान

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। महिला दिवस पर लायन्स क्लब भीलवाड़ा शक्ति की ओर महिलाओं का सम्मान किया गया। इस अवसर पर कांवाखेड़ा स्थित लढ्ढा हाऊस में आयोजित कार्यक्रम में लायन्स क्लब शक्ति की अध्यक्ष डां.अनिता आर्य व ममता सिन्हा ने उमा लढ्ढा, रेखा निगम,हंसा निगम,सोनम निगम, डोली लढ्ढा,मंजू राठौड़,सम्मोहन, विदिशा व मंजू को उपरणा पहना और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। एक महिला को सिलाई मशीन भी क्लब की ओर से भेंट की गई। इस अवसर पर जितेन्द्र कुमार मारु,विजय गोधा, विवेक जैन मौजूद थे।

महावीर इंटरनेशनल रॉयल ब्यावर ने महिला दिवस पर गरिमा प्रोजेक्ट के तहत बांटे सेनेटरी नेपकिन

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। महावीर इंटरनेशनल रॉयल केंद्र, ब्यावर ने महिला दिवस के उपलक्ष्य में कृषि मंडी प्रांगण एवं एफ सी आई गोदाम के आस पास अपेक्स द्वारा संचालित गरिमा प्रोजेक्ट के तहत सेनेटरी नेपकिन का वितरण किया गया। साथ ही मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा स्तनपान जागरूकता विषय पर में पोस्टर लगाए गए। वीरा रूपा कोठारी ने बताया कि महिलाओं में स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाना अत्यंत जरूरी है। इस अवसर पर ब्यावर की युवा प्रतिभा, मॉडल एवं अभिनेत्री इशिका जैन भी सम्मिलित हुई। सभी वीरा सदस्याओं द्वारा उनका माल्यर्पण कर स्वागत किया गया। वीरा हेमलता नाहर ने बताया कि महावीर इंटनेशनल अपेक्स द्वारा पूरे भारत में गरिमा प्रोजेक्ट चलाया जा रहा हैं, जिसके तहत विभिन्न केंद्र के माध्यम से जागरूकता लाने हेतु महिलाओं में नेपकिन बांटे जाते हैं। इशिका जैन ने रॉयल के महिला सशक्तिकरण एवं कौशल विकास के कार्यों की प्रशंसा करते हुए सभी को रॉयल से प्रेरणा लेने का आव्हान किया। उन्होंने इस क्षेत्र में और अधिक कार्य करने की आवश्यकता को बताया। इस अवसर पर झिझक छोड़ो चुप्पी तोड़ो अभियान के पोस्टर का भी विमोचन किया गया। केन्द्र के चेयरमैन अशोक पालडेचा व सचिव रूपेश कोठारी ने इशिका जैन का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कांता पालडेचा, पूजा कोठारी, राजलक्ष्मी धारीवाल, सन्ध्या बोहरा, हेमलता नाहर, रूपा कोठारी, मंजू बाफना, लक्षिता कोठारी, कोषाध्यक्ष अभिषेक नाहटा, सहसचिव योगेन्द्र मेहता जितेन्द्र धारीवाल, राहुल बाबेल, अक्षय बिनायकिया आदि सदस्य भी उपस्थित रहे।

सुमति धाम में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने लिया आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज का आशीर्वाद

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। सुमति धाम पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव गोधा एस्टेट गांधी नगर इंदौर में चल रहे भव्य पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव आयोजन के बीच 8 मार्च को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शताब्दी देशनाकार अध्यात्म योगी आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज ससंघ के दर्शन कर संपूर्ण मध्य प्रदेश शासन की ओर से नमोस्तु टीनिवेदित करते हुए आचार्य श्री के कुशल रत्नत्रय की एवं जनता की खुशहाली की कामना की। गुरुदेव ने उन्हे सत्यार्थ बोध ग्रंथ व सत साहित्य भेंट किया एवं सी एम ने आचार्य श्री की कृति वस्तुत्व महाकाव्य का विमोचन भी किया । मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि यह मध्य प्रदेश का गौरव है कि ऐसे महान आचार्य श्री की जन्म भूमि मध्य प्रदेश में हैं और उनका आशीर्वाद हम सबको मिल रहा है। इस अवसर पर महोत्सव के प्रमुख पात्र सौधर्म इंद्र मनीष सपना गोधा ने मुख्यमंत्री मोहन यादव का सम्मान करते हुए उन्हें सुमतिधाम में निर्मित मंदिर की प्रतिकृति भेंट की। उल्लेखनीय है कि जैन इतिहास का भी ऐतिहासिक पंच कल्याणक महोत्सव सुमति धाम में 6 से 11 मार्च 2024 तक आयोजित किया गया है। जिसमें किसी भी प्रकार का चंदा ,बोली आदि दान नहीं लिया जा रहा है। संपूर्ण पंच कल्याणक महोत्सव डिजिटल हैं। जिसमें 5100से अधिक इंद्र इंद्राणी व हजारों की संख्या में श्रद्धालु प्रतिदिन सम्मिलित हो रहे है। यह पंच कल्याणक बहुचरचित हो गया है जिसकी चर्चा देश भर में हो रही है। महोत्सव की शानदार व्यवस्था गोधा परिवार सुमति धाम ,गोधा एस्टेट की ओर से की जा रही हैं। इस अवसर पर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री बी डी शर्मा, विधायक, अनिल कालूखेड़ा विधायक गोलू शुक्ला, महापौर पुष्यमित्र भार्गव नगर अध्यक्ष गौरव रणधिवे, दिगम्बर जैन समाज डाक्टर जैनेंद्र जैन, राजेंद्र महावीर राजेश जैन दद्दू, योगेंद्र जैन आदि समाज जन्म उपस्थित थे।

डा. शेखावत द्वारा इजाद किए गए एआई पर्यावरण मोनिटरिंग उपकरण को अन्तर्राष्ट्रीय पेटेंट मिला

लाडनूं के लिए पहला अवसर, जैविभा विश्वविद्यालय में हर्ष व्याप्त, बधाइयों का तांता लगा

लाडनूं. शाबाश इंडिया। जैन विश्वभारती संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के योग एवं जीवन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डा. प्रद्युम्नसिंह शेखावत और टीम द्वारा पर्यावरण की शुद्धता की मोनिटरिंग के लिए बिना किसी तार के चलने वाली आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी युक्त एक मशीन घड़ी का निर्माण किया है, जिसका पेटेंट ब्रिटेन के बौद्धिक संपदा कार्यालय द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर किया गया है। लाडनूं क्षेत्र के लिए यह पहला वैज्ञानिक पेटेंट है, जिसमें जैविभा विश्वविद्यालय का योगदान शामिल है। डा. प्रद्युम्नसिंह शेखावत के साथ इस पेटेंट की टीम में डॉ. प्रबोध कुमार खम्परिया, डॉ. स्वीटी जैन, डॉ. केशव मिश्रा, आशीष मिश्रा, डॉ. अजय दाधीच, डॉ. दीप्ति योगेश पाटिल एवं प्रो. प्रतीक्षा गौरव पाटिल भी शामिल हैं। बौद्धिक संपदा कार्यालय यूके के पेटेंट, डिजाइन और ट्रेड मार्क्स के नियंत्रक-महालेखाकार एडम विलियम्स ने इस पेटेंट के लिए उन्हें प्रमाण पत्र जारी किया है। उनके इस पेटेंट के लिए अंतर्राष्ट्रीय डिजाइन वर्गीकरण में घड़ियां और अन्य माप उपकरण, जांच और संकेत देने वाले उपकरण, सुरक्षा व परीक्षण उपकरण श्रेणी में शामिल किया गया है। कृत्रिम बुद्धि सम्पन्न इस उपकरण का उपयोग पर्यावरण में होने वाले परिवर्तनों का अंकन और संकेतन कर सकेंगे। इससे वातावरण की शुद्धि के लिए मानव की सजगता निरन्तर बनी रहेगी। डा. शेखावत ने बताया कि यह आविष्कार व्यापक पर्यावरण निगरानी के लिए डिजाइन किए गए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित वायरलेस सेंसर नेटवर्क (डब्ल्यूएसएन) नोड से संबंधित है। यह नवोन्मेषी उपकरण विभिन्न सेंसरों से डेटा को समझदारी से संसाधित करने और विश्लेषण करने के लिए उन्नत एआई एल्गोरिदम का लाभ उठाता है, जिससे तापमान, आर्द्रता, वायु गुणवत्ता और अन्य महत्वपूर्ण कारकों जैसे पर्यावरणीय मापदंडों का सटीक और वास्तविक समय मूल्यांकन सक्षम हो जाता है। उन्होंने बताया कि जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और संसाधन संरक्षण के बारे में बढ़ती चिंताओं के कारण पर्यावरण निगरानी तेजी से महत्वपूर्ण हो गई है। पारंपरिक निगरानी प्रणालियों को अक्सर मैन्युअल डेटा संग्रह और विश्लेषण की आवश्यकता होती है, जिसमें समय लग सकता है और त्रुटियों की संभावना हो सकती है। वायरलेस सेंसर नेटवर्क (डब्ल्यूएसएन) के आगमन ने स्वचालित और दूरस्थ निगरानी की अनुमति देकर इस क्षेत्र में क्रांति आएगी।

विवेक विहार जैन मंदिर में चैतन्य सागर जी महाराज का मंगल प्रवेश हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर विवेक विहार मे आचार्य श्री 108 चैतन्य सागर जी महाराज ने आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के दर्शन किए । विवेक विहार जैन समाज के सयुक्त सचिव नरेश जैन मेड़ता ने बताया कि आचार्य गुरुवर 108 चैतन्य सागर जी महाराज प्रातः काल कीर्ति नगर जैन मंदिर से विहार करते हुए विवेक विहार जैन मंदिर पहुंचे ।इस अवसर पर महाराज श्री ने भगवान आदिनाथ एवं वासु पूज्य भगवान के दर्शन किए ।इस अवसर पर मंदिर परिसर में अपने प्रवचन के उद्बबोधन में उन्होंने विवेक विहार मंदिर एवं समाज की प्रशंसा की एवं आशीर्वाद दिया कि जल्द ही मंदिर निर्माण होगा जो भी रुकावट आ रही है वह हल होगी इस अवसर पर समस्त समाज के सदस्यों ने एक स्वर में हाथ उठाकर महाराज श्री का अभिनंदन किया। नरेश जैन मेड़ता ने बताया कि इस अवसर पर विवेक बिहार समाज की ओर से आचार्य गुरुवर को श्री फल चढ़ाया गया एवं कीर्ति नगर, मंगल विहार एवं श्याम नगर मंदिर के पदाधिकारीगण का हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत किया गया। इस मौके पर विवेक विहार, श्याम नगर, राधा विहार, कीर्ति नगर समाज के पदाधिकारीगण एवं समाज सदस्य उपस्थित रहे।

विमर्श जागृति महिला मंच ने महिला दिवस पर फैंसी ड्रेस का आयोजन किया

अशोकनगर. शाबाश इंडिया

विमर्श जागृति महिला मंच ने नारी सम्मान में अनेको कार्यक्रम के साथ मनाया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस। माँ बनकर जन्म दिया जिसने लालन पालन भी किया जिसने शीश झुकाकर प्रणाम करो उस नारी को तुम पर एहसान किया जिसने। महिला माँ बहन और पत्नी के रूप मैं पुरुष के जीवन मै अहम भूमिका निभाती है ।महिला सम्मान में जितना बोलो कम होगा । नारी के इन्ही सभी पहलुओं पर विमर्श जागृति महिला मंच की सदस्यायों ने अपने विचार व्यक्त किये और फेंसी ड्रेस मै परम्परागत पोशाक मैं नारी के अनेक रूपों को सकारात्मक ढंग से दशार्या। रानी पदमावती के किरदार को बखूबी निभाते हुए प्रथम पुरुस्कार वैशाली बाँझल, विधासागर महाराज की माँ के रूप मै द्वितीय सुनीता बांझल, और तृतीय पुरुकार ज्योति गुरूजी ने प्राप्त किया ।भाषण मैं प्रथम स्थान पर स्मृति भारत और पूजा द्वितीय रही। सभी सहभागी सदस्यायों को सांत्वना पुरुस्कार दिये गए। आभार व्यक्त करते हुए शाखा अध्यक्ष प्रीती मोहरी और मंत्री रूबी ने आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी को धन्यवाद दिया। इस मोके पर समता, श्वेता, मीना, शिखा, सरोज, इंद्रा बारी, पूनम, वंदना, रवि. साधना, सीमा बंसल, पूजा सहित भारी संख्या में सदस्याएं उपस्थित रही।

महिला परिषद द्वारा गायों को चारा खिलाया

निवाई. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन खण्डेलवाल सरावगी समाज महिला परिषद निवाई के तत्वावधान में आयोजित भगवान मुनिसुब्रतनाथ के निर्वाण महोत्सव एवं अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर गोशाला में गायों को हरा चारा, गुड़, खल आदि खाद्य सामग्री खिलाया गया। संजू जौंला ने बताया कि शुक्रवार को सुबह सरावगी समाज महिला परिषद की महिलाओं ने गोशाला जाकर गायों को हरा चारा गुड़ खिलाया। महिला दिवस पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगरपालिका पार्षद नितिन छाबड़ा, जैन धर्म प्रचारक विमल जौंला, संजय सोगानी, विमल सोगानी ने भगवान मुनिसुब्रतनाथ के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ किया गया इस दौरान सरावगी समाज महिला परिषद की महिलाओं ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर परिषद की अध्यक्ष शशी सोगानी उपाध्यक्ष शकुंतला छाबड़ा महामंत्री संगीता संधी कोषाध्यक्ष उर्मिला सोगानी एवं मंत्री प्रिती कासलीवाल सहित ज्योति छाबड़ा अनिता पांडया रेशू जैन, शालू जैन, प्रेमा कासलीवाल शिल्पी पांडया टीना जैन अर्चना टोंग्या आभा सोगानी सपना जैन नेहा सोगानी नीता बिलाला ललिता जैन सहित अनेक महिलाएं मौजूद थी।

वुमन्स वीक के तहत जेसीआई ने किया विभिन्न गतिविधियों का आयोजन

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

मुरैना। जेसीआई मुरैना जागृति का वुमन्स वीक शुक्रवार को सम्पन्न हो गया। आखिरी दिन जेसीआई मेम्बर्स ने हाउस मेड्स (काम वाली बाइयां) को तरह-तरह के गेम्स खिलाए और उपहार में राशन व स्नैक्स सहित अन्य चीजें वितरित कीं। मनोरंजक गतिविधियों में भागीदारी करके बाइयों के चेहरे खिल उठे। जेसीआई मुरैना जागृति ने महिला दिवस पर हाउस मेड्स के लिए खास कार्यक्रम का आयोजन किया। उन्होंने सभी मेड्स की कई प्रतियोगिताएं कराईं। इस दौरान कुछ मेड्स ने डांस किया तो कुछ ने गाना गाया। जेसीआई मेम्बर्स ने जब इस आयोजन के बारे में बाइयों से उनके अनुभव पूछे तो उन्होंने बताया कि हमेशा कामकाज में जुटे रहने के बीच इस तरह के कार्यक्रम में भाग लेना बहुत सुखद है। कुछ उम्रदराज बाइयों ने कहा कि उन्होंने तो बचपन में भी ऐसे गेम्स नहीं खेले। अंत में जेसीआई मेम्बर्स ने बाइयों का सम्मान किया और उन्हें राशन, कपड़े, स्नैक्स आदि वितरित किये। उन्होंने संकल्प लिया कि वे हर महीने जरूरतमंद महिलाओं को राशन वितरित किया करेंगीं इस अवसर पर जेसीआई अध्यक्ष ललिता गोयल, सचिव कंचन चावला, फाउंडर प्रेसिडेंट भावना जैन, पास्ट प्रेसिडेंट भारती मोदी, आईपीपी ज्योति मोदी, सिंपल गोयल आदि मौजूद रहीं।

महिलाओं में आत्मविश्वास जगाना होगा

महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में जेसीआई की फाउंडर प्रेसिडेंट भावना जैन ने कहा कि अभी भी हमारे समाज में महिलाओं को सशक्त नहीं कहा जा सकता। कहीं न कहीं उनके साथ भेदभाव हो रहा है। माहिलायें किसी से कम नहीं हैं, बस उनका आत्मविश्वास जगाने की जरूरत है। जेसीआई अध्यक्ष ललिता गोयल ने कहा कि जो माहिलायें सक्षम हैं, उनका दायित्व है कि कमजोर महिलाओं के सहयोग के लिए हमेशा तत्पर रहें। संगठन की अन्य महिलाओं ने भी कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त किए।

वुमन्स वीक में हुई ये एक्टिविटीज

जेसीआई के वुमन्स वीक में सबसे पहले महिलाओं और बालिकाओं के लिए कैंसर अवेयरनेस टॉक का आयोजन किया गया। इसके बाद महिलाओं को अपने चेहरे की देखभाल के लिए ब्यूटी टिप्स दिए गए। इसके अलावा जेसीआई मेम्बर्स ने योगा क्लास जाकर फिटनेस की ट्रेनिंग भी ली। हेल्दी डाइट थीम पर कुकिंग क्लास का आयोजन भी वुमन्स वीक के तहत किया गया।

28 वें राष्ट्रीय अधिवेशन में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप जयपुर मेन ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रसिद्ध सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर बड़े बाबा के प्रांगण में सम्पन्न दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन के राष्ट्रीय अधिवेशन में दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप जयपुर मेन के 13 सदस्यों के समूह ने सचिव हीरा चन्द बैद के नेतृत्व में अपनी उपस्थिति दर्ज कराके तालियों की गड़गड़ाहट के बीच बैनर प्रजेंटेशन दिया। बैनर प्रजेंटेशन में फैडरेशन के राजस्थान रीजन के अध्यक्ष राजेश जैन बड़जात्या, श्रीमती सीमा जैन, एवं निर्मल संघी महासचिव ने साथ देकर जयपुर मेन का मान बढ़ाया। ग्रुप के सदस्यों ने प्रातः कुण्डलपुर के पवित्र पहाड़ की तलहटी में स्थित जिन मन्दिरों के दर्शन करके पहाड पर स्थित बड़े बाबा आदीनाथ भगवान के अभिषेक किये व रात्रि में महाआरती व भजन के कार्यक्रम में भी शामिल हो कर धर्म लाभ प्राप्त किया। दिन में सभी सदस्यों ने विरागोदय तीर्थ पथरिया जी एवं सिद्धांत धाम दिगम्बर जैन गणधर तीर्थ क्षेत्र बेला जी में सहस्त्र फणी पारसनाथ भगवान के दर्शन करके आचार्य सिद्धांत सागर जी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त करके जयपुर के लिए प्रस्थान किया। ग्रुप के सचिव हीरा चन्द बैद, कोषाध्यक्ष प्रदीप कुमार जैन पाटनी, श्रीमती चन्दा जैन, डा.महेश जैन, डा. सरोज जैन, बाबू लाल जैन, श्रीमती प्रेमलता जैन, वीर कुमार जैन, श्रीमती बीना जैन, ज्ञान चन्द जैन फैडरेशन के अधिवेशन में एवं धार्मिक यात्रा में शामिल थे ।

अमरकंटक में विश्व शांति महायज्ञ के साथ कलशारोहण समारोह सम्पन्न

सर्वोदय तीर्थ अमरकंटक
आचार्य श्री की परिकल्पना : विजय धुर्रा

अमरकंटक. शाबाश इंडिया। वर्षों पूर्व आचार्य श्री शिखर जी जाते हुए जब अमरकंटक आये तो कोतमा समाज ने वगेलखडं में कोई तीर्थ ना होने की बात कही तो आचार्य श्री ने इस भूमि पर सन दो हजार में अमरकंटक चातुर्मास किया। सर्वोदय तीर्थ अमरकंटक ने आकर लेना प्रारंभ किया इस जिनालय में अष्ट धातु से निर्मित सताइस टन की प्रतिमा को तीन टन के कमल पर विराजमान किया गया और दो हजार तैइस में आचार्य महाराज इस प्रतिमा को सूरी मंत्र दिया आज कलशारोहण के साथ ये कार्य पूर्णता को प्राप्त हो रहा है उक्त आश्य केउद्गार निर्यापक श्रमण मुनि श्री योगसागरजी महाराज ने बताया। इसके पहले समारोह को सम्बोधित करते हुए मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम शिष्य निर्यापक श्रमण मुनि श्री योगसागरजी महाराज मुनिश्री पूज्य सागर जी महाराज मुनिश्री निसिंम सागर जी महाराज ऐलक श्री निश्चय सागर जी महाराज ऐलक श्री दया सागर जी महाराज ऐलक श्री धैर्य सागरजी महाराज ससंघ के सान्निध्य एवं प्रतिष्ठा चार्य विनय भइया नितिन भइया के मार्गदर्शन में हो रहे शिखर कलशारोहण समारोह में मुख्य कलशा चढ़ाने का सौभाग्य विनोद कुमार प्रमोद कुमार कोयला परिवार को, वहीं शिखरकलश डॉ शम्भू कुमार मनीष कुमार रजनीश कुमार वूडार, तृतीय कलश ताराचंद धर्मेश कुमार संजय कुमार पैड़ारोड देवेन्द्र कुमार अभिजीत कुमार अमर कंटक, विनित कुमार नीरज कुमार पैड्.रोड मिठनकुमार मनीष कुमार पूना सहित अन्य भक्तों को मिलने जा रहा है।

पिछले 9 वर्षों से लगातार महिला दिवस पर कार्यक्रम का हो रहा आयोजन

राजस्थान जैन युवा महासभा द्वारा महिला दिवस के उपलक्ष्य में वुमेन्स पावर-2024 में 2 नारी गौरव सम्मान सहित विभिन्न क्षेत्रों में 5 प्रतिभाओं का किया सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के तत्वावधान में शुक्रवार 8 मार्च को भट्टारकजी की नसियां में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में वुमेन्स पावर-2024 महिलाओं के लिए विशेष आयोजन किया गया। इस मौके पर 2 महिलाओं को नारी गौरव सम्मान तथा 5 महिलाओं को विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया गया। प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि दोपहर 1 बजे से शुरू हुए इस आयोजन में विभिन्न गीतों पर नृत्य एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई, प्रतिभाओं का सम्मान किया गया, नारी उत्थान, चिकित्सा व मोटिवेशनल उदबोधन हुए, महिलाओं के स्वास्थ्य पर टाक शो किया गया। लक्की ड्रा,बम्पर हाऊजी, नृत्य नाटिका सहित मनोरंजन के कई कार्यक्रम किये गये। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेविका शांति देवी नीना निशा पहाड़िया थी। अध्यक्षता समाजसेविका अनिला कोठारी ने की। गौरवमयी अतिथि समाजसेविका त्रिशला गोधा समाचार जगत थी। समाजसेविका अलका आयुषी गोधा द्वारा भगवान आदिनाथ का चित्र अनावरण के बाद दीप प्रज्जवलन समाजसेविका ममता सोगानी जापान वालों ने किया। विशिष्ट अतिथि समाजसेविका शशि तिजारिया,सीमा जैन गाजियाबाद, स्नेह लता सोगानी, दीपा शर्मा, सुनीता कसेरा , नीरा बज, डॉ शिवांगी जैन, राखी गंगवाल, दिशा ठोलिया, नीरु मेहता, अंजू बैराठी, मंजू वैद, अन्नू तिजारिया, ऊषा जैन बनेठा, गुणमाला देवी पहाड़िया, पुष्पा बिलाला थी। प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि इस मौके पर उल्लेखनीय कार्यो के लिए समाजसेविका एवं परम मुनि आर्यिका भक्त ममता सोगानी जापान वाले एवं महिला उत्थान के लिए समर्पित ज्योति कासलीवाल को नारी गौरव से सम्मानित किया गया। इस मौके पर समाज की सुरभि कासलीवाल का व्यावसायिक क्षेत्र,प्रो. आशा जैन का शिक्षा, पारुल जैन का विधि एवं तकनीकी क्षेत्र , मंजू छाबड़ा का धार्मिक,रितु जैन सोगानी का सामाजिक क्षेत्र में प्रतिभा सम्मान किया गया। कार्यक्रम में आरसीडी एफ की एमडी आईए एस सुषमा अरोड़ा एवं भारतीय शिल्प कला संस्थान की निदेशक तुलिका गुप्ता ने महिला उत्थान पर मुख्य वक्तव्य दिया। शैल्बी हास्पिटल की वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. ममता मेहता एवं प्रसिद्ध कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. अनन्या पारीक ने महिलाओं को स्वस्थ रहने सम्बन्धी गुर बताये। इस मौके पर बालिका शिक्षा के क्षेत्र में समर्पित सन्त श्री सुधा सागर आवासीय कन्या महाविद्यालय सांगानेर का महिला उत्थान के लिए समर्पित संस्था के रुप में सम्मानित किया गया। बेस्ट महिला कार्यकर्ता के रूप में पूनम चांदवाड झोटवाडा एवं रेखा पाटनी दुर्गापुरा का सम्मान किया गया। मंच संचालन विनोद जैन कोटखावदा, मृदुला पाटनी, पूनम चांदवाड झोटवाडा , मनीष बैद , मीना चौधरी, रेखा पाटनी ने किया। प्रदीप जैन ने स्वागत उदबोधन दिया। विनोद जैन कोटखावदा ने गतिविधियों पर प्रकाश डाला। इस मौके पर युवा महासभा के संस्थापक अध्यक्ष ज्ञान चंद झांझरी, डॉ शीला जैन,निशा जैन, दीपिका जैन कोटखावदा, सी एस जैन,पवन पाण्डया,राज कुमार पाटनी, भारतभूषण जैन,डा. राजीव जैन,कमल सरावगी, राजेश चौधरी, तरुण जैन रचना बैद, कविता अजमेरा , भंवरी देवी,सुधा सरावगी, मैना गंगवाल, अस्मिता पाटनी, मुकेश कासलीवाल, महेन्द्र पाटनी, एडवोकेट महावीर सुरेन्द्र जैन,अमन जैन सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थी। रंग-बिरंगी साड़ी पहने हुए महिलाओं से तोतूका सभागार खचाखच भरा हुआ था। अन्त में लक्की ड्रा बम्पर हाऊजी के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

@... पेज 14 पर

राजस्थान जैन युवा महासभा द्वारा महिला दिवस के उपलक्ष्य में वुमेन्स पावर-2024 में 2 नारी गौरव सम्मान सहित विभिन्न क्षेत्रों में 5 प्रतिभाओं का किया सम्मान

लॉरेन्स एण्ड मेयो स्कूल में बच्चों ने धूम-धाम से मनाया वार्षिकोत्सव व पारितोषिक वितरण समारोह

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। मिशन कम्पाउण्ड स्थित लॉरेन्स एण्ड मेयो पब्लिक स्कूल परिसर में एक्सप्रेशन थीम पर वार्षिकोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत स्कूल प्राचार्य श्रीमती ममता अग्रवाल द्वारा सरस्वती माता का वंदन व माल्यार्पण करके की गई। सरस्वती वंदना व शास्त्रीय नृत्य के साथ सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रम की शुरूआत की गई लॉरेन्स व मेयो की प्राचार्य प्रेरणादायक शब्दों से बच्चों को सनातन धर्म संस्कृति परंपरा परिवार व पर्यावरण की महत्वता बताते हुए एक अच्छा नागरिक बनने के लिए संबोधित किया। स्कूल की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि हमारा स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में पढ़ाई के साथ-साथ छात्रों के कौशल विकास पर भी अग्रणी कार्य करता है प्रति वर्ष भर में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के लिए पुरस्कार वितरित किए गए व छात्र-छात्राओं का उत्साह वर्धन किया गया। बच्चों ने शिव पार्वती विवाह की शानदार प्रस्तुति दी कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण राजस्थानी नृत्य, मोबाइल थीम, युगल नृत्य व छड़ी नृत्य रहा है। जिसमें बच्चों ने अंतराष्ट्रीय स्तर की अनोखी प्रस्तुति देते हुए नृत्य कर लोगों को रोमांचित कर दिया। कार्यक्रम के अन्त में प्राचार्य ने सभी बच्चों व स्टाफ सदस्यो के प्रति अपना आभार व्यक्त किया। प्रोग्राम के दौरान शहर के गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

चित्रकला प्रतियोगिता पोस्टर का हुआ विमोचन

शाबाश इंडिया

जयपुर। चित्रकला प्रतियोगिता पोस्टर का विमोचन ज्ञानचंद जैन ओएसडी राज्यपाल महोदय द्वारा किया गया। प्रोजेक्टर डायरेक्टर अनिल जैन ने बताया कि प्रतियोगिता के पारितोषिक दिनांक 10 मार्च 2024 रविवार को इंद्रलोक ऑडिटोरियम भट्टारक जी की नसियां जयपुर में आयोजित होगा। राजस्थान जैन आगेर्नाइजेशन के अध्यक्ष मनीष झाझरी ने बताया कि चित्रकला प्रतियोगिता में 60 जैन मंदिर में करीब 3000 प्रतिभागियों ने भाग लिया था जिसमें से विभिन्न मंदिरों के 200 प्रतियोगिताओं को पारितोषिक वितरित किया जाएगा।

भोले बाबा की निकली बारात, उमड़ा जन सैलाब

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर शुक्रवार को जागेश्वर महादेव मंदिर समिति की ओर से भोले बाबा की भव्य बारात निकाली गई। जिसमें जन सैलाब उमड पड़ा। भोलेनाथ की बारात ढोल-ढमाको व बैंड-बाजों के साथ सायं सुभाषगंज अनाज मंडी से प्रारंभ हुई जो हनुमान चौक व नगर के मुख्य मार्गों से होती हुई पलसानिया रोड महादेव मोहल्ला स्थित जागेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई। भोले बाबा की बारात के दौरान जहां युवक-युवती नृत्य करते हुए चल रहे थे वहीं अखाड़े में युवक करतब दिखाते हुए चल रहे थे। बारात में ब्रह्मा, विष्णु व महेश का किरदार निभा रहे युवक पैदल चल रहे थे। भोले बाबा स्वयं पालकी में सवार थे। भोले बाबा की बारात पर नगर में जगह-जगह पुष्प वृष्टि की गई। वही नगर में जगह-जगह केसरिया तोरण द्वार बनाये गये और नगर के मुख्य बाजार में स्पीकरों पर भजन चल रहे थे। सायं 7:15 बजे भगवान शिव की महाआरती की गई व रात्रि में भजन संध्या का आयोजन किया गया।

महाशिवरात्रि पर्व पर शिवालय हर हर महादेव के जयकारों से गूंज उठा

कोटखावदा। प्रदेश भर में महाशिवरात्रि पर्व को परंपरा और श्रृद्धा के साथ मनाया गया अमन जैन कोटखावदा ने बताया कि शिव जी को पति रूप में पाने के लिए मां पार्वती ने कठिन तपस्या की थी और फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मां पार्वती ने भगवान शिव को पति के रूप में स्वीकार किया था इस दिन को बहुत महत्वपूर्ण माना गया है इस दिन उपवास, व्रत रखकर भगवान शिव की विशेष पूजा अर्चना करके सुख समृद्धि व खुशहाली की कामना करते हैं वहीं समाजसेवी अमन जैन कोटखावदा ने शिवालय में मंत्रों उच्चारण के साथ भगवान शिव का पंचामृत अभिषेक व बिल्वपत्र,धतुरा, आंकड़ा, पुष्प, जल , दुध, दही शहद, सहित अन्य सामग्री से विशेष पूजा अर्चना की इस अवसर पर अमन जैन कोटखावदा ,लोकेश चौधरी, ललित चौधरी, सुनील चौधरी, जानवी जैन, निशा चौधरी, निकिता चौधरी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

वैदिक मंत्र उच्चारण के बीच नगर पालिका अध्यक्ष ने की श्री जयश्वर महादेव भगवान की प्राण प्रतिष्ठा

अजय जैन. शाबाश इंडिया

अम्बाह। नगर पालिका की अध्यक्ष श्रीमती अंजली जिनेश जैन एवं पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष जिनेश जैन ने नगर पालिका परिषद अम्बाह के आगे मंदिर प्रांगण में श्री जयश्वर महादेव की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा पूजा-अर्चना के साथ की। नगर पालिका अध्यक्ष लगातार 3 दिन से मंदिर परिसर में चल रहे यज्ञ की पूर्णाहुति में भी शामिल हुई। इस दौरान प्रतिष्ठाचार्य पंडित गिर्राज प्रसाद शास्त्री, कविंद्र सिंह तोमर, बच्चू लाल गुप्ता,विजय गुप्ता,अशोक कपासिया,सत्यवीर कपासिया, आलोक सिंह तोमर,सोनू गोयल सहित बड़ी संख्या में नागरिक और धार्मिक श्रद्धालु, मौजूद थे। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती अंजली जिनेश जैन ने कहा कि भारतीय सनातन संस्कृति सचमुच में अदभुत है। भारतीय धरा पर बच्चों को बचपन से ही धर्म की जय हो, अधर्म का नाश हो और विश्व का कल्याण हो, का पाठ पढाया जाता है। उन्होंने कहा कि मानव जीवन को सार्थक बनाना है तो जयश्वर महादेव भगवान के दर्शन के लिए नगर पालिका पर जरूर आईये।

मोटापे की दुश्मन है ये चीज, एक कटोरा भरकर खायेंगे तो भी एक महीने भर में कम होने लगेगा वजन

शाबाश इंडिया

How To Lose Weight Fast: अनहेल्दी डाइट से सबसे तेजी से मोटापा बढ़ता है। वजन घटाने के लिए डाइटिंग नहीं डाइट में बदलाव कर लें। इस एक चीज को भरपेट खाने से भी मोटापा गायब हो जाएगा। जानिए वजन घटाने के लिए क्या खाएं?

अनहेल्दी डाइट, खराब लाइफस्टाइल और सेहत की अनदेखी धीरे-धीरे मोटापा बढ़ाती है। एक बार वजन बढ़ जाए तो इसे कम करना आसान नहीं होता। मोटाप न सिर्फ आपके शरीर को खराब करता है बल्कि इससे कई बीमारियां पैदा हो सकती है। एक्सपर्ट्स की मानें तो मोटापे की वजह से डायबिटीज, हाइपरटेंशन, दिल की बीमारी, कोरोनरी आर्टरी डिजीज, फैटी लिवर और हाई कोलेस्ट्रॉल की बीमारी हो सकती है। ऐसे में वजन को कम करना सबसे ज्यादा जरूरी है। अगर एक्सरसाइज के बाद भी मोटापा कम नहीं हो रहा है तो कुछ महीने डाइट में दलिया को शामिल कर लें।

दलिया खाने से शरीर पर बढ़ती चर्बी आसानी से कम होने लगती है। खास बात ये है कि दलिया को आप भरपेट भी खाएंगे तो भी इससे

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय
आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा, जयपुर

मोटापा कम होता है। फाइबर से भरपूर दलिया सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। वजन घटाने के लिए दलिया के नतीजे कमाल के हैं। आपको सिर्फ महीने भर इस डाइट को फॉलो करना है।

वजन घटाने के लिए कैसे बनाएं दलिया?

बाबा रामदेव के अनुसार मोटापा कम करने के लिए फायदेमंद दलिया को बनाने के लिए आपको गेहूं, बाजरा, मूंग दाल, चावल, तिल और अजवायन जैसे सामानों की जरूरत होगी। इन चीजों को मिलाकर आप आसानी से नमकीन दलिया बना सकते हैं। इसे नियमित रूप से खाने से शरीर पर जमा चर्बी कम होने लगती है। इतना ही नहीं, इस पुष्टाहार दलिया को खाने से महीनेभर में आप कई किलो वजन भी घटा सकते हैं।

दलिया क्यों है इतना फायदेमंद?

इस तरह के बनाया गया दलिया काफी कम कैलोरी वाला होता है। इस मल्टीग्रेन दलिया में भरपूर प्रोटीन पाया जाता है।

प्रोटीन के सेवन से मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है और खाने की क्रेविंग्स भी कम होती हैं। इसलिए दलिया वजन घटाने में मदद करता है। दलिया में मोटा अनाज होता है जो फाइबर से भरपू होता है। दलिया खाने से लंबे समय तक पेट भरा रहता है।

दलिया को सेहत के लिए पूर्ण आहार माना जा सकता है। इससे शरीर को आयरन और काबोर्हाइड्रेट की उचित मात्रा मिलती है।

दिनभर एनर्जेटिक फील करने के लिए डाइट में दलिया जरूर शामिल करें। इससे आपको शरीर को ताकत मिलती है।

श्रावक शिरोमणि जैन गौरव भामाशाह श्री अशोक जी पाटनी-श्रीमती सुशीला जी पाटनी को स्वर्णिम वैवाहिक वर्षगांठ पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

...शुभेच्छू...

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर
जैन सोशल ग्रुप महानगर, जयपुर
शाबाश इंडिया परिवार

परम मुनिभक्त, प्रसिद्ध समाजसेवी
आरदणीय श्री पदम चन्द जैन बिलाला
एवं श्रीमती पुष्पा देवी बिलाला
की 54वीं वैवाहिक वर्षगांठ 09.03.2024 पर
मंगलमयी हार्दिक शुभकामनाएं

शुभाकांक्षी:-
पारस बिलाला (सीए)-दीपिका जैन
पहुप बिलाला (ईआर)-रूचिका जैन
आदिश्री, आदिश, आदित, आदिवा एवं समस्त बिलाला परिवार

फार्म: जैन पारस बिलाला एण्ड कम्पनी (सीए)
कार्यालय: 50 क 2, ज्योति नगर, जयपुर-05
शाखाएं: नई दिल्ली, मुंम्बई, नोएडा, कोटा, उदयपुर, जोधपुर

निवास: 21, शिवा कॉलोनी, इमली फाटक, जयपुर-15